विद्या- भवन ,बालिका विद्यापीठ, लखीसराय
नीतू कुमारी ,वर्ग -पंचम, विषय- हिंदी, दिनांक-12-04-2021 एन.सी.आर.टी पर आधारित

पाठ - 1

सरस्वती वंदना

सुप्रभात बच्चअॅ,

पाठ- परिचय :

महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की रचना गाने योग्य और हिंदी साहित्य में प्रसिद्ध है| इसमें कवि ने सरस्वती की प्रार्थना करते हुए संपूर्ण विश्व में ज्ञान का प्रकाश भर देने की कामना की है यह कविता स्मरणीय और गेय हैं ------

वर दे वीणावादिनी वर दे,
प्रिय स्वतंत्र रव अमृत मंत्र नव ,
भारत में भर दे |
काट अंध उर के बंधन स्तर ,
बहा जननि ज्योतिर्मय निर्झर ,
कलुष भेद तम हर, प्रकाश भर
जगमग जग कर दे |
नव गति नव लय ताल छंद नव,
नवल कंठ नव जलद मंत्र नव नव
नभ के नव विहग वृंद को ,
नव पर नव स्वर दे|
श्री सूर्यकांत त्रिपाठी' निराला'

दिए गए, सरस्वती वंदना याद करें |